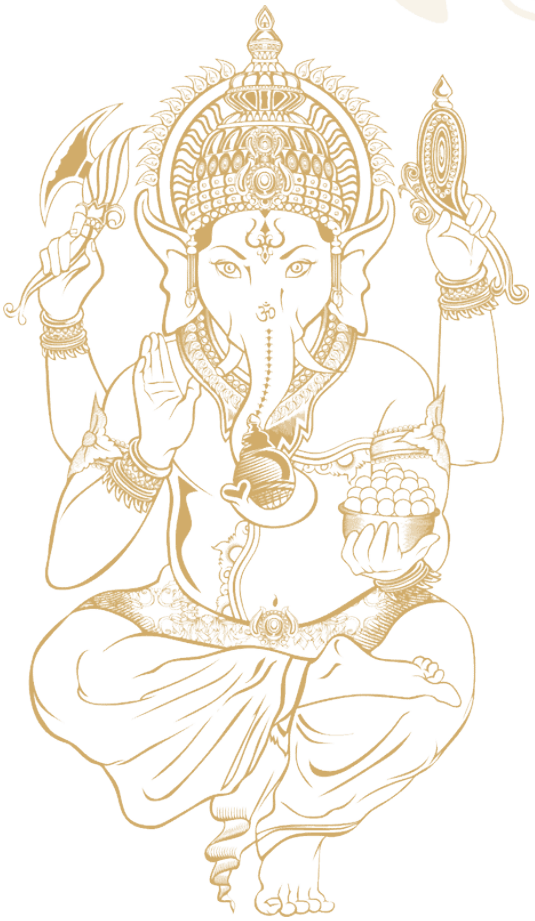

Daya Nirmal Kumar

11 Apr 1994

06:28 PM

Jilo

Model: web-freekundliweb

Order No: 121596705

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**11/04/1994**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**18:28:00 घंटे**
इष्ट	30:54:07 घटी
स्थान	**Jilo**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	27:50:00 उत्तर
रेखांश	75:58:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:01:52 घंटे
वेलान्तर	-00:01:09 घंटे
साम्पातिक काल	07:19:55 घंटे
सूर्योदय	06:06:21 घंटे
सूर्यास्त	18:48:42 घंटे
दिनमान	12:42:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	27:37:41 मीन
लग्न के अंश	23:53:45 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कन्या - बुध
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	विष्कुम्भ
करण	किंस्तुघ्न
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चे-चेतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	23:53:45	317:42:51	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	---
सूर्य			मीन	27:37:41	00:58:53	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	03:21:15	11:48:26	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मीन	03:43:14	00:46:44	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
बुध			मीन	09:20:11	01:42:21	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	नीच राशि
गुरु	व		तुला	18:18:27	00:06:42	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	18:12:03	01:13:42	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि			कुंभ	14:38:31	00:05:59	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		वृश्चि	00:13:30	00:03:38	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	00:13:30	00:03:38	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	सम राशि
हर्ष			मक	02:24:21	00:00:58	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
नेप			धनु	29:30:58	00:00:28	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	03:50:04	00:01:15	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	---
दशम भाव			मिथु	24:40:04	--	पुनर्वसु	--	7	बुध	गुरु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:46:51

लग्न-चलित

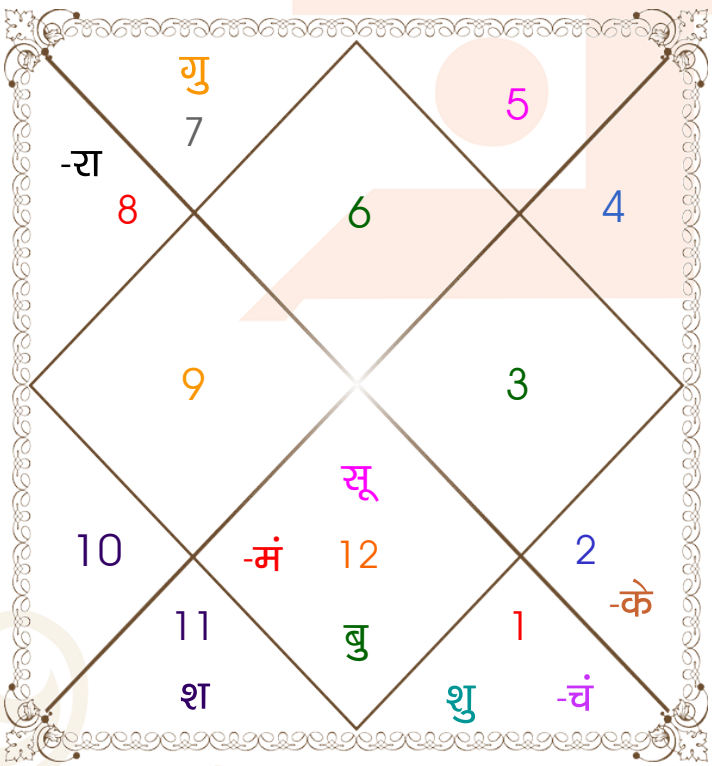

चन्द्र कुंडली

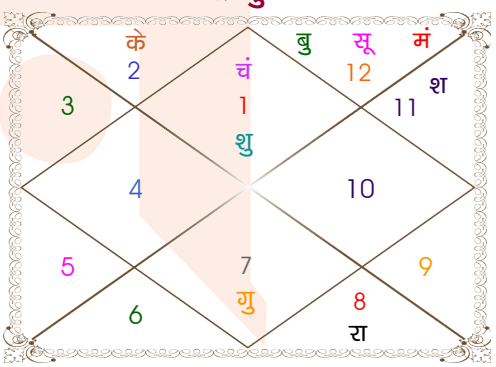

नवमांश कुंडली

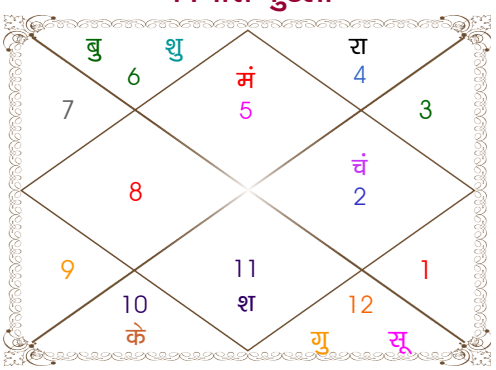

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 2 मास 26 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
11/04/1994		08/07/1999		08/07/2019		07/07/2025		08/07/2035	
08/07/1999		08/07/2019		07/07/2025		08/07/2035		08/07/2042	
	00/00/0000	शुक्र	06/11/2002	सूर्य	25/10/2019	चंद्र	08/05/2026	मंगल	04/12/2035
	11/04/1994	सूर्य	07/11/2003	चंद्र	25/04/2020	मंगल	07/12/2026	राहु	21/12/2036
सूर्य	10/06/1994	चंद्र	07/07/2005	मंगल	31/08/2020	राहु	07/06/2028	गुरु	27/11/2037
चंद्र	09/01/1995	मंगल	06/09/2006	राहु	26/07/2021	गुरु	07/10/2029	शनि	06/01/2039
मंगल	07/06/1995	राहु	06/09/2009	गुरु	14/05/2022	शनि	08/05/2031	बुध	03/01/2040
राहु	25/06/1996	गुरु	07/05/2012	शनि	26/04/2023	बुध	06/10/2032	केतु	01/06/2040
गुरु	01/06/1997	शनि	08/07/2015	बुध	01/03/2024	केतु	07/05/2033	शुक्र	01/08/2041
शनि	11/07/1998	बुध	08/05/2018	केतु	07/07/2024	शुक्र	06/01/2035	सूर्य	07/12/2041
बुध	08/07/1999	केतु	08/07/2019	शुक्र	07/07/2025	सूर्य	08/07/2035	चंद्र	08/07/2042

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
08/07/2042		07/07/2060		07/07/2076		08/07/2095		08/07/2112	
07/07/2060		07/07/2076		08/07/2095		08/07/2112		00/00/0000	
राहु	20/03/2045	गुरु	25/08/2062	शनि	11/07/2079	बुध	03/12/2097	केतु	04/12/2112
गुरु	13/08/2047	शनि	08/03/2065	बुध	20/03/2082	केतु	01/12/2098	शुक्र	03/02/2114
शनि	19/06/2050	बुध	13/06/2067	केतु	29/04/2083	शुक्र	02/10/2101	सूर्य	12/04/2114
बुध	06/01/2053	केतु	19/05/2068	शुक्र	28/06/2086	सूर्य	08/08/2102		00/00/0000
केतु	24/01/2054	शुक्र	18/01/2071	सूर्य	10/06/2087	चंद्र	07/01/2104		00/00/0000
शुक्र	24/01/2057	सूर्य	07/11/2071	चंद्र	09/01/2089	मंगल	04/01/2105		00/00/0000
सूर्य	19/12/2057	चंद्र	08/03/2073	मंगल	18/02/2090	राहु	24/07/2107		00/00/0000
चंद्र	20/06/2059	मंगल	11/02/2074	राहु	25/12/2092	गुरु	29/10/2109		00/00/0000
मंगल	07/07/2060	राहु	07/07/2076	गुरु	08/07/2095	शनि	08/07/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 27 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के प्रथम चरण में कन्या लग्नोदय काल सिंह नवमांश एवं वृषम द्रेष्काण में हुआ था। इस जन्म लग्नराशयादिक संयोजनों से ऐसा प्रतीत होता है कि आप स्वाभाविक रूप से आनन्दप्रद जीवन व्यतीत करने के लिए सदैव अग्रसर रहेंगे। मुख्यतः आपकी आयु 33 वर्ष से 38 वर्ष के मध्य आपका भाग्योदय होगा तथा आप सुख-संसाधन युक्त होकर जीवन की पराकाष्ठा पर पहुँच जाएंगे।

आप प्रसन्नता पूर्वक द्विगुणित, आनन्द पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ अति आन्नदातिरेक होकर सुखमय समय व्यतीत करेंगे। आप व्यवहार कुशल व्यक्ति है। आप साहसिक भावनाओं से युक्त होकर अपना व्यवसायिक वृति संचालित करेंगे। आपका स्पष्ट दृष्टिकोण है कि आप अपने लक्ष्य के अनुसार धनी और सम्पन्न होना चाहते हैं।

आप निःसन्देह साहस और पूर्ण शक्तियुक्त होकर विशुद्ध भावना से अपनी महत्वकांक्षा के अनुरूप कार्य सम्पादन करते हैं। परन्तु आप उच्च आय हेतु अपनी दुर्भावनाओं को त्यागकर कार्य करें, अन्यथा आप अधिक धन संग्रह नहीं कर सकेंगे। क्योंकि हर दृष्टिकोण से आप अपनी मनोवृति को अनुकूल करके ही अच्छा जीवन व्यतीत कर सकेंगे। आप अच्छी प्रकार के वस्त्रादि पहनना पसन्द करते हैं । आप अपने मित्रों के साथ सन्तुष्ट रहकर अपने समय को अच्छी प्रकार व्यतीत करना चाहते हैं। आपकी मनोवृति धार्मिक पंथ की ओर प्रवृत है। आप ज्योतिष एवं परा विज्ञान के प्रदर्शित करने की अभिरूचि रखते हैं। आप तीर्थ स्थानों का परिदर्शन करेंगे तथा सामाजिक एवं परोपकारी सेवा भावना के प्रति समर्पित रहेंगे जो असहाय प्राणी आपकी सेवा की अपेक्षा करेंगे। आप उन पर सहानुभूति पूर्वक सहायता करेंगे।

आप अपने व्यवसाय के अतिरिक्त अन्य संबंधित कार्य व्यवसाय भी औरों की अपेक्षा अच्छी प्रकार सम्पादित करेंगे। परन्तु आपको अपने लिए अधिक अनुपयुक्त आनन्दित करने वाले व्यवसाय चयन क्रम में विधिवेता (वकील) वैज्ञानिक अभियन्ता अथवा शैल्य क्रिया करने वाले चिकित्सक का कार्य भी अनुकूल होगा। वैसे व्यवसायों में सामाजिक कार्यों से सम्बंधित यथा वैवाहिक कार्य व्यवस्था विदाई समारोह का आयोजन, खेल-कूद की सामग्री का व्यवसाय भी उत्तम रहेगा। इसके अतिरिक्त रेडियो, टी.वी. रत्न एवं स्वर्णाभूषण के व्यवसाय, मोटर पार्ट की दूकान आदि आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

आपकी शारीरिक बनावट उत्तम हृष्ट-पुष्ट मजबूत एवं आपकी आंखे आकर्षक हैं। आप अपने आश्चर्यजनक प्रतिभा से सभी को प्रभावित करेंगे। आप अपने सम्पर्क के साथ पार्टनर से समय-समय पर अपेक्षित वस्तुएं प्राप्त कर लेंगे। इस प्रकार आपका जीवन अतिरिक्त प्रत्याशित आसार उत्तम दृष्टिगोचर हो रहे हैं। आपके पास शान्त वातावरण युक्त सुखद गृह होंगे। जहाँ आप, पत्नी एवं सन्तान सहित सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेष युक्त व्यस्तम कार्य सुखमय जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे। आपके द्वेषयुक्त व्यस्ततम कार्यक्रम के अतिरिक्त कभी आपको अपने परिवार की प्रसन्नता हेतु हर हालात में समय निकालना होगा ताकि आपके पारिवारिक सदस्य सन्तुष्ट रहें।

आप शारीरिक रूप से निःसन्देह स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपके लिए ऐसा निर्देश है कि आप कुछ वर्षो के पश्चात् किडनी एवं मुत्राशय की परेशानी एवं मूत्र जनित रोग से आक्रान्त हो सकते है। इस आशंका के प्रति आपको रक्षात्मक कदम उपयुक्त समय पर उठाना ठीक होगा।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

अंको में आपके लिए अंक 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक अनुकूल तथा अंक 1 एवं 8 अंक आपके लिए स्पष्ट रूप से प्रतिकूल है।

आपके लिए रंगों में व्यक्तिगत रूप से पसन्दीदा रंग पीला, हरा एवं सूआपंखी रंग भाग्यशाली है। परन्तु किसी भी दशा में आपके लिए रंग, लाल, काला और नीला रंग प्रतिकूल एवं सर्वथा अनुपयुक्त है।